विकास सेमीकंडक्टर चिप के निर्माण में यूपी को वैश्विक पहचान दिलाएगा यमुना सिटी का प्लांट

जीडीपी में अहम योगदान देगा सेमीकंडक्टर पार्क

माई सिटी रिपोर्टर

ग्रेटर नोएडा। सेमीकंडक्टर चिप निर्माण में देश को आत्मनिर्भर बनाने के अलावा यमुना सिटी में बन रहे प्लांट अर्थव्यवस्था में भी करीब 45 हजार करोड़ रुपये का सालाना योगदान देगा। यूपी को वैश्विक पहचान दिलाने के लिए प्रमुख भूमिका भी यह प्लांट निभाएगा। इस प्लांट में करीब डेढ़ साल में उत्पादन शुरू करने की योजना अधिकारियों की है।

45
हजार करोड़ का सालाना योगदान देगा अर्थव्यवस्था में

नोएडा में एक कार्यक्रम में आए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को अधिकारियों ने पूरे प्रोजेक्ट को लेकर जानकारी साझा की। अधिकारियों ने उन्हें बताया कि सेमीकंडक्टर पार्क के लिए यमुना सिटी के सेक्टर-28 में तय जमीन पर बाउंड्रीवाल का निर्माण शुरू हो गया है। करीब 48 एकड़ जमीन पर बन रहे इस प्रोजेक्ट में भारत में पहली बार आउटसोर्स्ड सेमीकंडक्टर असेंबली एंड टेस्टिंग (ओसैट) की सुविधा विकसित की जानी है। ओसैट तकनीक के उपलब्ध होने से यह प्लांट अंतरराष्ट्रीय मैन्युफेक्चरिंग यूनिट की तरह काम करेगा। हालांकि, पहली प्राथमिकता भारतीय कंपनियों की मांग को पूरा करना होगा।

सीईओ राकेश कुमार सिंह ने बताया कि भारतीय कंपनी एचसीएल और ताइवान की कंपनी फॉक्सकॉन संयुक्त उपक्रम इंडिया चिप प्राइवेट लिमिटेड के नाम से कर रहे हैं। इंडिया चिप ऑटोमोबाइल, कंप्यूटिंग और स्मार्ट तकनीक के लिए जरूरी सेमी कंडक्टर चिप की मांग को स्थानीय स्तर पर निर्माण से पूरा करेगा। अंतरराष्ट्रीय मानकों को पैकेजिंग, टेस्टिंग और असेंबली हर स्तर पर सशक्त यहां प्लांट पर बनाया जाएगा। इससे भारत की स्थिति पूरी दुनिया में सेमी कंडक्टर वैल्यू चेन में मजबूत बनेगी।

3000 **लोगों को रोजगार मिलेगा प्लांट से**

इस प्लांट को मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत में विकसित किया जाना है। यह प्लांट प्रदेश में एक उच्च-प्रौद्योगिकी पारिस्थितिकी तंत्र को भी तैयार करेगा। इससे कौशल विकास के साथ नए रोजगार सृजित होंगे। करीब 3000 युवाओं को इस प्लांट पर ही प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप में रोजगार मिल सकेगा।

सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के तौर पर होगा विकास : यह प्रोजेक्ट प्रदेश में सेमीकंडक्टर के क्षेत्र में अनुसंधान और विकास को आगे बढ़ाएगा। इसके लिए इसे सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के रूप में भी तैयार किया जाना है। रिसर्च लैब और सिम्युलेशन लैब इसके लिए स्थानीय शैक्षणिक संस्थानों के सहयोग से तैयार की जाएंगी। प्रदेश को यह कदम सेमी कंडक्टर चिप निर्माण के क्षेत्र में हब बनाएगा।